

संस्कृतव्याकरणम्/संस्कृतव्याकरण

(246)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-घट्टम्/ शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-घट्ट

पूर्णांकः/पूर्णांक – 20

- निर्देशाः (i) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः। प्रश्नानुसारम् अङ्काः समक्षे निर्देशिताः।
(ii) उत्तरपुस्तिकायाः प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।
- निर्देशः (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।
(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2
(क) सूत्रलक्षणं लिखित्वा तत्स्पष्टीकुरुत। (दृष्टव्य-1)
(ख) अष्टादशभेदसहितम् अकारं विवृणुत। (दृष्टव्य-2)
निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए। 2
(क) सूत्र के लक्षण को लिखकर उसे स्पष्ट कीजिए। (पाठ-1 देखें)
(ख) अठारह भेदों सहित अकार का विवेचन कीजिए। (पाठ-2 देखें)
2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2
(क) 'झलां जश् झशि' इति अस्य सूत्रस्य अर्थं लिखन् उदाहरणद्वयमपि ददातु। (दृष्टव्य-6)
(ख) 'वान्तो यि प्रत्यये' इति अस्य सूत्रस्य अर्थं लिखन् उदाहरणद्वयमपि ददातु। (दृष्टव्य- 6)
निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए। 2
(क) 'झलां जश् झशि' इस सूत्र का अर्थ लिखते हुए दो उदाहरण भी दीजिए। (पाठ-6 देखें)
(ख) 'वान्तो यि प्रत्यये' इस सूत्र का अर्थ लिखते हुए दो उदाहरण भी दीजिए। (पाठ-6 देखें)
3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2
(क) 'एङ्हस्वात्सम्बुद्धेः' अस्य सूत्रस्य अर्थमुदाहरणमपि लिखतु। (दृष्टव्य-10)
(ख) 'यचि भम्' अस्य सूत्रस्य अर्थं लिखन् उदाहरणमपि ददातु। (दृष्टव्य-12)

- निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए। (2)
- (क) 'एङ्हस्वात्सम्बुद्धेः' इस सूत्र का अर्थ उदाहरण सहित लिखिए। (पाठ-10 देखें)
- (ख) 'यचि भम्' इस सूत्र का अर्थ लिखते हुए एक उदाहरण भी दीजिए। (पाठ-12 देखें)
4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4
- (क) द्विकर्मकधातूनां सूचिं कुरुत उदाहरणानि च लिखत। (दृष्टव्य-21)
- (ख) 'स्तुतस्त्वया विष्णुः' इति उदाहरणं सविस्तरं व्याख्यायत। (दृष्टव्य-27)
- निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए। 4
- (क) द्विकर्मक धातुओं की सूची बनाइए तथा उदाहरण भी लिखिए। (पाठ-21 देखें)
- (ख) 'स्तुतस्त्वया विष्णुः' इस उदाहरण की विस्तार से व्याख्या कीजिए। (पाठ-27 देखें)
5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4
- (क) अकर्मकधातुस्थले सकर्मकधातुस्थले च निष्ठाप्रत्ययप्रयोगं सोदाहरणं प्रदर्शयत। (दृष्टव्य-27)
- (ख) 'कर्तरि कृत्' इति सूत्रदिशा कृदन्तस्य त्रीणि उदाहरणानि साधयत। (दृष्टव्य -27)
- निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए। (4)
- (क) अकर्मक धातु और सकर्मक धातु —दोनों स्थलों पर निष्ठा प्रत्यय के प्रयोग को उदाहरण सहित प्रदर्शित कीजिए। (दृष्टव्य-27)
- (ख) 'कर्तरि कृत्' इस सूत्र के आधार पर कृदन्त के तीन उदाहरण सिद्ध कीजिए। (दृष्टव्य-27)
6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत। 6
- (क) संकृतवर्णमालां स्थानप्रयत्नादिभेदपुरस्सरं विभज्य प्रदर्शयत। (दृष्टव्य-1)
- (ख) संज्ञासंज्ञीविवरणपुरस्सरं संज्ञाभेदान् सूचीकुरुत। (दृष्टव्य-1)
- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर परियोजना-विवरण लिखिए। 6
- (क) संस्कृत वर्णमाला को स्थान, प्रयत्न आदि भेदों के आधार पर विभाजित करके प्रदर्शित कीजिए। (पाठ-1 देखें)
- (ख) संज्ञा और संज्ञी के विवरण सहित संज्ञा के भेदों को सूचीबद्ध कीजिए। (पाठ-1 देखें)